980505 - B1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

Class - IX
कक्षा - IX

HINDI
हिन्दी

(Course B)
(पाठ्यक्रम ब)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **12** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है। इस अवधि के दौरान छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमानुसार दीजिए।

खंड-'क'

1. अपठित गद्यांश : **5**

भारतवर्ष सदा कानून को धर्म के रूप में देखता आ रहा है। आज एकाएक कानून और धर्म में अंतर कर दिया गया है। धर्म को धोखा नहीं दिया जा सकता, कानून को दिया जा सकता है। यही कारण है कि लोग धर्मभीरू हैं, वे कानून की त्रुटियों से लाभ उठाने में संकोच नहीं करते। इस बात के पर्याप्त प्रमाण खोजे जा सकते हैं कि समाज के ऊपरी वर्ग में चाहे जो भी होता रहा हो, भीतर-भीतर भारतवर्ष अब भी यह अनुभव कर रहा है कि धर्मकानून से बड़ी चीज़ है। अब भी सेवा, ईमानदारी, सच्चाई और अध्यात्मिकता के मूल्य बने हुए हैं। वे दब अवश्य गए हैं, लेकिन नष्ट नहीं हुए। आज भी वह मनुष्य से प्रेम करता है, महिलाओं का सम्मान करता है, झूठ और चोरी को गलत समझता है, दूसरों को पीड़ा पहुँचाने को पाप समझता है। हर आदमी अपने व्यक्तिगत जीवन में इस बात का अनुभव करता है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर सही विकल्प को चुनिए।

(क) उचित शीर्षक लिखे : **1**

(i) कानून और धर्म (ii) धर्म की आवश्यकता

(iii) आदर्शो का महत्त्व (iv) भारतवर्ष

(ख) धर्मभीरु लोग कानून के साथ कैसा व्यवहार करते हैं? **1**

(i) वे कानून से डरते हैं।

(ii) कानून का सम्मान करते हैं।

(iii) कानून को धर्म समझते हैं।

(iv) कानून को धोखा देने में संकोच नहीं करते।

(ग) आध्यात्मिकता में कौन सा प्रत्यय प्रयोग हुआ है? **1**

(i) इक (ii) ता (iii) आ (iv) इक+ता

(घ) धर्मभीरू का अर्थ है : **1**

(i) धार्मिक और डरपोक (ii) धर्म से डरने वाला

(iii) धर्म का पालन करने वाला (iv) धर्म के उल्लंखन से डरने वाला

(ङ) दूसरों की भलाई करने के लिए एक शब्द है : **1**

(i) परपीड़ा (ii) पर-उपकार

(iii) परोपकार (iv) परअपकार

2. **अपठित गद्यांश :** **5**

'संचार' शब्द की उत्पत्ति 'चर' धातु से हुई है जिसका अर्थ है 'चलना'। जब कोई घटना एक स्थान से चलकर दूसरे स्थान तक पहुँचती है तो घटना के पहुँचने की उस प्रक्रिया को संचार कहेंगे और जब वह घटना किसी विशेष व्यक्ति या स्थान तक सीमित न रहकर जन-जन तक पहुँचे तो उसे कहेंगे-'जनसंचार'। संचार के लिए जिस माध्यम का प्रयोग किया जाता है वह होगा संचार का माध्यम। पूना में हुए बम विस्फोट की घटना सभी समाचार-पत्रों, टी.वी. चैनलों और रेडियो के द्वारा जन-जन तक पहुँची। इस घटना की सूचना समाचार कहलाई। संचार के लिए कुछ साधनों का प्रयोग भी होता है। रेडियो श्रव्य साधन है और टी.वी. दृश्य-श्रव्य साधना। ये दोनों साधन इलेक्ट्रॉनिक माध्यम के अंतर्गत आते हैं और 'समाचार-पत्र' प्रिंट माध्यम के अंतर्गत। समान आचरण करते हुए घटना की सूचना समाचार है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर सही विकल्पों को चुनकर लिखिए।

(क) संचार है : **1**

(i) समाचार या घटना (ii) सरकारी विभाग

(iii) घटना के पहुँचने की प्रक्रिया (iv) एक माध्यम

(ख) पूना में हुए बम विस्फोट की जानकारी एक समाचार-पत्र से मिली। यह माध्यम कहलाया : **1**

(i) प्रिंट माध्यम (ii) इलेक्ट्रॉनिक माध्यम

(iii) दृश्य-श्रव्य माध्यम (iv) श्रव्य माध्यम

(ग) रेडियों किस साधन के अंतर्गत आता है? **1**

(i) श्रव्य साधन (ii) दृश्य श्रव्य साधन

(iii) दृश्य साधन (iv) इनमें में कोई नहीं।

(घ) जो सूचना व्यक्ति विशेष तक न पहुँच कर सभी लोगों तक पहुँचे, वह प्रक्रिया कहलाती है : **1**

(i) संचार (ii) जनसंचार

(iii) समाचार (iv) पत्रकार

(ङ) उपयुक्त शीर्षक है : **1**

(i) संचार-साधन (ii) समाचार पत्र

(iii) जनसंचार (iv) बम विस्फोट

3. **अपठित काव्यांश :** **5**

विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी
मरो, परन्तु यों मरो कि याद जो करें सभी।
हुई न यो सुमृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए,
मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।
वही पशु-प्रवृति है कि आप आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

उसी उदार की कथा सरस्वती बखानती,
उसी उदार से धरा कृतार्थ भाव मानती।
उसी उदार की सदा सजीव कीर्ति कूजती,
तथा उसी उदार को समस्त सृष्टि पूजती।
अखंड आत्म भाव जो असीम विश्व में भरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

क्षुधार्त रतिदेव ने दिया करस्थ थाल भी,
तथा दधीचि ने दिया परार्थ अस्थिजाल भी।
उशीनर क्षितीश ने स्वमांस दान भी किया।।
सहर्ष वीर कर्ण ने शरीर-चर्म भी दिया।
अनित्य देह के लिए अनादि जीव क्या डरे?
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

उपर्युक्त काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से छाँटकर लिखिए -

(क) मनुष्यता होनी चाहिए : **1**

(i) मनुष्य में (ii) प्रकृति में

(iii) पशु पक्षियों में (iv) जड़ चेतन में

(ख) 'मर्त्य' से आशय है : **1**

(i) मरा हुआ (ii) मरण शील

(iii) अमर (iv) अजर

(ग) सरस्वती प्रशंसा करती है : 1

(i) उदार की (ii) कृतध्न की

(iii) अमीर की (iv) पढ़ने वालों की

(घ) रतिदेव ने दिया : 1

(i) अपना मांस (ii) भोजन से भरा थाल

(iii) हड्डियाँ (iv) कवच

(ङ) वह मनुष्य पशु के समान है : 1

(i) जो घास-फूँस खाता है। (ii) पशुओं की चिन्ता करता है।

(iii) जो लड़ता नहीं है। (iv) जो अपनी चिंता करता है।

4. अपठित काव्यांश : 5

सच हम नहीं सच तुम नहीं
सच है महज संघर्ष ही।
संघर्ष से हटकर जिए तो क्या जिए हम या कि तुम।
जो नत हुआ वह मृत हुआ ज्यों वृंत से झर के कुसुम।

जो लक्ष्य भूल रुका नहीं।
जो हार देख झुका नहीं।
जिसने प्रणय पाथेय माना जीत उसकी ही रही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं।

ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जड़ता रहे।
जो है जहाँ चुपचाप अपने-आप से लड़ता रहे।
जो भी परिस्थितियाँ मिले।
काँटे चुभें, कलियाँ खिलें।
हारे नहीं इंसान, है संदेश जीवन का यही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं।

हमने रचा आओ हमीं अब तोड़ दें इस प्यार को।

यह क्या मिलन मिलना वही जो मोड़ दे मँझ धार को।

जो साथ फूलों के चले।

जो ढाल पाते ही ढले।

वह जिंदगी क्या जिंदगी जो सिर्फ पानी-सी बही।

सच हम नहीं सच तुम नहीं।

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए -

(क) आशय स्पष्ट कीजिए : **1**

वह जिंदगी क्या जिंदगी जो सिर्फ पानी-सी बही

(i) आराम और सुख की जिंदगी बेकार है।

(ii) शांति और वैराग्य की जिंदगी बेकार है।

(iii) आनंद-मौज की जिंदगी बेकार है।

(iv) निष्क्रिय जिंदगी बेकार है।

(ख) अपने आप से लड़ने का तात्पर्य है : **1**

(i) संघर्ष की आदत डाले रखना। (ii) अपने लोगों को जुझारू बनाना।

(iii) अपनी कमियों को सँवारना। (iv) अपनी कमियों के विरुद्ध संघर्ष करना।

(ग) काँटे और कलियाँ किसके प्रतीक है? **1**

(i) संकट और बाधाओं के (ii) सुख और आराम के

(iii) निराशा और आशा के (iv) दुख और सुख के

(घ) कवि के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण क्या है? **1**

(i) जिंदगी (ii) संघर्ष

(iii) मिलन (iv) लक्ष्य

(ङ) 'प्रणय' का अर्थ है : **1**

(i) झुकना (ii) विवाह

(iii) प्रेम (iv) आनंद

खंड-'ख'

5. (i) इस्तेमाल शब्द का सही वर्ण विच्छेद है- **1**

(क) इ + स + त् + ए + म् + आ + ल् + अ

(ख) इ + स् + त् + ऐ + म् + आ + ल् + अ

(ग) इ + स् + त् + ए + म् + आ + ल + अ

(घ) इ + स् + अ + त् + ए + म् + आ + ल + अ

(ii) 'अतिथि' शब्द का वर्ण विच्छेद है- **1**

(क) अ + त् + ई + थ + इ

(ख) अ + त् + इ + थ + इ

(ग) अ + त् + अ + इ + थ् + इ

(घ) अ + त् + इ + थ् + अ + इ

(iii) 'चन्द्रमा' शब्द का वर्ण विच्छेद है- **1**

(क) च् + न् + द् + र् + अ + म् + आ

(ख) च् + न् + आ + द् + र् + अ + म् + आ

(ग) च् + अं + द् + र् + अ + म् + आ

(घ) च् + न + द् + र् + आ + म् + आ

(iv) आशीर्वाद शब्द की शुद्ध वर्तनी है : **1**

(क) आर्शिवाद (ख) आशीर्वाद

(ग) आर्शीवाद (घ) अर्शिवाद

6. (i) नीचे दिए गए शब्दों में से ही सही अनुनासिक शब्द छाँटिए- **1**

(क) ऊंट (ख) उँट

(ग) ऊँट (घ) ऊट

(ii) निम्नलिखित शब्दों में से सही नुक्ता वाले शब्द छाँटिए : **1**

(क) फ़रियाद फर्ज़ (ख) फ़ौरन फ़ौलाद

(ग) फिक्र फ़ायदा (घ) फरमान फ़कीर

(iii) अनिच्छा में कौन-सा उपसर्ग प्रयुक्त हुआ है? **1**

(क) अ (ख) अन

(ग) अन् (घ) अन्य

(iv) अवगत में उपसर्ग है : **1**

(क) अ (ख) अव

(ग) आ (घ) औ

7. (i) ईय प्रत्यय से कौन सा शब्द संबंधित नहीं है? 1

(क) भारतीय (ख) पर्वतीय

(ग) ईश्वरीय (घ) गरिमामय

(ii) साहसिक शब्द में कौन सा प्रत्यय प्रयुक्त हुआ है? 1

(क) क (ख) सिक

(ग) इक (घ) सा

(iii) आग का पर्यायवाची है – 1

(क) अनंत (ख) अनल

(ग) रसाल (घ) भृत्य

(iv) कमल शब्द का पर्यायवाची नहीं है : 1

(क) नीरज (ख) राजीव

(ग) चपला (घ) जलज

8. (i) 'लौकिक' शब्द का विलोम है – 1

(क) अलौकिक (ख) परालौकिक

(ग) समालौकिक (घ) अभिलौकिक

(ii) 'स्वतंत्रता' शब्द का विलोम नहीं है– 1

(क) पराधीनता (ख) परतंत्रता

(ग) स्वाधीनता (घ) गुलामी या दासता

(iii) 'बल' शब्द के अनेकार्थक शब्द हैं– 1

(क) केश, बच्चा (ख) शक्ति, सेना

(ग) अलक, बाल (घ) धार, लाभ

(iv) गुरु शब्द का अनेकार्थक शब्द नहीं हैं – 1

(क) श्रेष्ठ (ख) भारी

(ग) गति (घ) शिक्षक

9. (i) 'जिसे दंड का भय न हो' के लिए उचित शब्द है : 1

(क) सदंड (ख) निर्भय

(ग) दंडनीय (घ) उछंड

(ii) 'अनावृष्टि' शब्द के उपयुक्त वाक्यांश है : 1

(क) वर्षा न होना (ख) अत्यधिक वर्षा

(ग) बाढ़ आना (घ) तूफान आना

(iii) दिए गए मुहावरे से संबंधित अर्थ विकल्पों में से छाँटकर लिखें – 1

'तीर मारना' का आशय है

(क) बड़ी सफलता पाना (ख) शिकार करना

(ग) तीर चलाना (घ) हत्या करना

(iv) अपने भाई को सफेद झूठ बोलते देख मेरा खून 1

(क) जम जाता है (ख) खौल जाता है

(ग) ठंडा हो जाता है (घ) सफेद हो जाता है

खंड–'ग'

10. किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से छाँटकर लिखिए – 5

यां आदमी पै जान को वारे है आदमी
और आदमी पै तेग को मारे है आदमी
पगड़ी भी आदमी की उतारे है आदमी
चिल्ला के आदमी को पुकारे है आदमी
और सुनके दौड़ता है सो है वो भी आदमी

(i) 'आदमी पै जान कर वारे है आदमी' के द्वारा कवि कहना चाहता है कि : 1

(क) आदमी से प्रेम करता है। (ख) मनुष्य दूसरों के लिए जान न्योछावर करता है।

(ग) दूसरों की मदद करता है। (घ) आदमी उसके खून का प्यासा है।

(ii) प्रस्तुत काव्यांश में आदमी के रूप दर्शाये गए हैं : 1

(क) ऊँची व नीची जाति (ख) सज्जन व दुर्जन

(ग) अमीर व गरीब (घ) राजा और रंक

(iii) 'तेग मारना' का अर्थ है : 1

(क) निशाना बनाना (ख) अपना बनाना

(ग) किसी के हवाले कर देना (घ) पराया कर देना

(iv) प्रस्तुत काव्यांश में कवि ने मनुष्य को : 1

(क) उसकी अच्छाइयों से परिचित कराया है।

(ख) उसकी अच्छाइयों, सीमाओं, कुराईयों से परिचित कराया है।

(ग) बुरे लोगों से परिचित कराया है।

(घ) धार्मिक विचारों के लोगों से परिचित कराया है।

(v) आदमी चिल्ला कर आदमी को कब पुकारता है? 1

(क) जब वह मुसीबत में होता है (ख) साथ जाने के लिए

(ग) पैसा माँगने के लिए (घ) उसे लूटने के लिए

अथवा

दीरघ दोहा अर्थ के, आखर थोरे आहिं।
ज्यों रहीम नट कुंडली, सिमिटि कूदि चढ़ि जाहिं।।
नाद रीझि तन देत मृग, नर धन हेत समेत।
ते रहीम पशु से अधिक, रीझेहु कछू न देत।।

उपर्युक्त दोहों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों से छाँटकर लिखिए।

(i) दोहे में अक्षर : **1**

(क) बहुत अधिक होते हैं। (ख) व्यापक होते हैं।

(ग) कठिन होते हैं। (घ) थोड़े होते हैं।

(ii) नट कूद कर ऊपर चढ़ जाता है : **1**

(क) शरीर को बड़ा करके (ख) शरीर को छोटा बना के

(ग) रस्सी के सहारे (घ) किसी व्यक्ति की मदद से

(iii) मृग अपना तन देता है : **1**

(क) शिकारी की गोली पर (ख) नाद पर मुग्ध होकर

(ग) शेर के मारने पर (घ) घायल अवस्था में

(iv) रहीम के अनुसार पशु से हीन कौन है? **1**

(क) जो प्रसन्न हो कर अपना सब कुछ दे देता है।

(ख) जो अपने बारे में सोचता है।

(ग) जो किसी से प्रसन्न होने के पश्चात् भी उसे कुछ नहीं देता।

(घ) जो दानी नहीं है।

(v) नट किस कला में सिद्ध होता है? **1**

(क) नाच दिखाने की (ख) करतब दिखाने की

(ग) खेल दिखाने की (घ) बच्चों को बहलाने की

11. निम्मलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर संक्षेप में लिखिए। **2.5+2.5=5**

(क) लेखक ने धूल और मिट्टी में क्या अंतर बताया है?

(ख) बुढ़िया के रोने का क्या कारण था?

(ग) लेखक ने बुढ़िया के दुख का अंदाजा कैसे लगाया?

(घ) सम्मिलित अभियान में सहयोग एवं सहायता की भावना का परिचय बचेंद्री के किस कार्य से मिलता है?

12. कविता को विडंबना मानते हुए लेखक ने क्या कहा है? **5**

अथवा

इनके लिए बेटा, बेटी, खसम-लुगाई, धर्म-ईमान सब रोटी का टुकड़ा है इस का आशय स्पष्ट करें।

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - **5**

एवरेस्ट शंकु की चोटी पर इतनी जगह नहीं थी कि दो व्यक्ति साथ-साथ खड़े हो सकें। चारों तरफ हजारों मीटर लंबी सीधी ढलान को देखते हुए हमारे सामने प्रश्न सुरक्षा का था। हमने बर्फ़ के फावड़े से बर्फ़ की खुदाई कर अपने आप को सुरक्षित रूप से स्थिर पाया। इसके बाद, मैं अपने घुटनों के बल बैठी, बर्फ़ पर अपने माथे को लगाकर मैंने 'सागरमाथे' के ताज का चुंबन किया। बिना उठे ही मैंने अपने थैले से दुर्गा माँ का चित्र और हनुमान चालिसा निकाला। मैंने इनको अपने साथ लाए लाल कपड़े में लपेटा, छोटी-सी पूजा-अर्चना की और इनको बर्फ में दबा दिया। आनंद के इस क्षण में मुझे अपने माता पिता का ध्यान आया।

(1) एवरेस्ट की चोटी पर सुरक्षा का प्रश्न क्यों उठा? **2**

(2) 'सागरमाथे' पर बचेंद्री ने क्या किया? **2**

(3) इस सफलता के क्षण में लेखिका को किस की याद आई? **1**

अथवा

हमारी देशभक्ति धूल को माथे से न लगाए तो कम से कम उस पर पैर तो न रखे। किसान के हाथ-पैर, मुँह पर छाई हुई यह धूल हमारी सभ्यता से क्या कहती है? हम काँच को प्यार करते हैं, धूलि भरे हीरे में धूल ही दिखाई देती है, भीतर की कांति आँखों से ओझल रहती है, लेकिन ये हीरे अमर है और एक दिन अपनी अमरता का प्रमाण भी देंगे। अभी उन्होंने अटूट होने का ही प्रमाण दिया है-''हीरा वही घन चोट न टूटे''। वे उलटकर चोट भी करेंगे और तब काँच और हीरे का भेद जानना बाकी न रहेगा।

(1) धूल हमारी सभ्यता से क्या कहती है? **2**

(2) हीरा अपनी अमरता का प्रमाण कैसे देगा? **2**

(3) लेख व लेखक का नाम लिखें। **1**

14. (क) 'जाकी छोति जगत कउ लागै ता पर तुही ढरै' इस पंक्ति का आशय स्पष्ट करें। **2**

(ख) कवि के अनुसार ईश्वर ने किस-किस का उद्धार किया है? **1**

(ग) कवि ने स्वयं को प्रभु के निकट किन-किन रूपों में पाया है? **2**

15. भाई के बुलाने पर घर लौटते समय लेखक के मन में किस बात का डर था? **3**

अथवा

उनाकोटी स्थित गंगावतरण की कथा को अपने शब्दों में लिखें।

16. घायल गिल्लू का उपचार लेखिका ने किस प्रकार किया? **2**

खंड-'घ'

17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखें- **5**

(क) **विज्ञान और मानव-कल्याण**

- विज्ञान का महत्त्व
- हमारा जीवन और विज्ञान
- ज्ञान विज्ञान की नई उपलब्धियाँ
- मानव मन मस्तिष्क को उदार एवं संतुलित बनाए रखने की आवश्यकता

(ख) **दिल्ली की बदलती तस्वीर**

- भूमिका
- क्षेत्र व आबादी
- बुनियादी सुविधाओं का विस्तार
- शहरी सौंदर्यीकरण

(ग) **साँच बराबर तप नहीं**

- सत्य की महत्ता
- सत्य का मार्ग काँटों भरा
- गौरव का प्रतीक
- झूठ का क्षणिक अस्तित्व
- सच ही कल्याणकारी

18. परीक्षा में असफल हुए मित्र को पुन: अध्ययन के लिए प्रेरित करते हुए पत्र लिखिए। **5**

अथवा

पुस्तकालय की उपयोगिता बताते हुए छोटे भाई को पत्र लिखिए।

- o O o -